हे शिव शंकर है दयानिधि हे करुणा कर हे अविनाशी लिरिक्स

हे शिव शंकर है दयानिधि,
हे करुणा कर हे अविनाशी,
हे परमपिता हे विश्वेस्वर,
हे सर्वेश्वर घट घट वासी।bd।

हम आये हैं तेरे द्वारे,
तू अपनाले या ठुकरा दे,
न छोड़ेंगे तेरा द्वारा,
है जगतपिता है कैलाशी,
है शिव शंकर है दयानिधि,
है करुणा कर है अविनाशी,
है परमपिता है विश्वेस्वर,
है सर्वेस्वर घट घट वासी।bd।

छाए हैं दुख के बादल,
चहु और हे छाई अंधियारी,
अब तू ही दिखा कोई राह हमे,
है गंगाधर है सुखराशि,
है शिव शंकर है दयानिधि,
है करुणा कर है अविनाशी,
है परमपिता है विश्वेस्वर,
है सर्वेस्वर घट घट वासी।bd।

तू दे ऐसा वरदान हमें,
हम तेरे ही नित गुण गाये,
और प्यास बुझादे दर्शन से,
ये अँखिया दर्शन की प्यासी,
है शिव शंकर है दयानिधि,
है करुणा कर है अविनाशी,
है परमपिता है विश्वेस्वर,
है सर्वेस्वर घट घट वासी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हे शिव शंकर है दयानिधि,
हे करुणा कर हे अविनाशी,
हे परमपिता हे विश्वेस्वर,
हे सर्वेश्वर घट घट वासी।bd।

गीतकार / गायक – राजेंद्र प्रसाद सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com